आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–09 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर पहुंची। सैकड़ों एकड़ फसल हुई जलमग्न, प्रशासन राहत कार्य में जुटा।
- सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा मामले पर सुनवाई करते हुए सीबीआई से अब तक की जांच की रिपोर्ट मांगी। ग्यारह जुलाई को होगी मामले में अगली सुनवाई।
- सरकार ने सलाह जारी कर कांवड़ यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर लगाई रोक। यात्रा के मार्गों पर शराब और मांस की दुकानें रहेंगी बंद।
- प्रदेश सरकार ने सौ वर्ष पुराने अट्ठाइस प्रजातियों के नौ सौ अड़तालीस पेड़ों को घोषित किया विरासत वृक्ष। ग्यारह जनपदों में तैयार होगी विरासत वृक्ष वाटिका।

****

प्रदेश में लगभग सभी जिलों में रूक–रूक कर हो रही वर्षा और अलग–अलग बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक गंगा नदी बदायूं, शारदा लखीमपुर खीरी, राप्ती श्रावस्ती और बलरामपुर, बूढ़ी राप्ती सिद्धार्थनगर और क्वानो गोण्डा में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। शारदा और क्वानो नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। इसके अलावा सरयू, घाघरा और गंडक नदी भी खतरे के निशान से महज आधा मीटर नीचे बह रही हैं। इसके कारण कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हमारे संवाददाता ने बताया–

भारी बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण पीलीभीत, लखीमपुर, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती और गोंडा जिलों के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कहर से श्रावस्ती में 44000 से अधिक लोग प्रभावित हैं जबकि लखीमपुर जिले में करीब 30000 लोगों की आबादी प्रभावित हुई है.

उत्तराखंड में बांधों से पानी छोड़े जाने से तराई के इलाकों में हालात खराब हो गए हैं और यहां बहने वाली सभी नदियां उफान पर हैं. देर रात तक बचाव अभियान चलाने के अलावा प्रशासन ने लोगों की मदद के लिए बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं और सामुदायिक रसोई के जरिए उन तक खाना पहुंचा जा रहा है। बाढ़ के कारण कई गांव जलमग्न हो गए हैं और रेल एवं सड़क यातायात प्रभावित हुआ है. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में राज्य के पूर्वी हिस्से में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है

शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से पलिया तहसील क्षेत्र में खीरी–पीलीभीत बॉर्डर पर बसे गोविंद नगर गांव में पानी पहुंच गया है।

अयोध्या में सरयू का जल स्तर प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। बस्ती जिले में नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद घाघरा का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गांवों में फसल जलमग्न हो गई है। भारी बारिश और बिजनौर बैराज से एक लाख चौतीस हज़ार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से अमरोहा में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिससे आसपास के गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शीशोवाली गांव के निकट कच्चा बांध बह जाने से पांच गावों का संपर्क टूट गया है। पीलीभीत में शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से जनपद में सड़कें और रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त होने से आवागमन बाधित हुआ है। गावों से लेकर शहर, कस्बों तक जल भराव हुआ है। वहां बाढ़ बचाव के लिये एयरफोर्स को लगाया गया है। एयरफोर्स के जवान बाढ़ में फंसे लोगों को बाहर निकालने में लगे हुए हैं। आज सुबह उन्हें एक व्यक्ति को बाढ़ क्षेत्र से बाहर निकालने में सफलता मिली है। पीलीभीत में बाढ़ की स्थिति पर हमारे प्रतिनिधि की रिपोर्ट–.

भारी बरसात और बैराजों से काफी अधिक पानी छोड़े जाने से पीलीभीत शहर और ट्रांस शारदा क्षेत्र में कई गांवों में जलभराव हो गया और लोग निचली बस्तियों में फंस गए। पुलिस ने एनडीआरएफ और एसएसबी की मदद से संयुक्त अभियान चलाकर हजारा क्षेत्र से 257 और रामनगरा से एक हजार दो सौ लोगों को रेस्क्यू करके सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पुलिस द्वारा पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की गई और मुनादी कराकर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की अपील की गई। बाढ़ से घर, फसलों और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। सतीश मिश्र, आकाशवाणी समाचार पीलीभीत।

प्रदेश में बीते छत्तीस घंटों में सर्वाधिक एक सौ बारह दशमलव चार मिलीमीटर बारिश लखीमपुर खीरी में दर्ज की गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले दो दिनों तक प्रदेश के पूर्वी और कुछ पश्चिमी इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। उधर, प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कल बहराइच जिले के फखरपुर विकास खण्ड के बौण्डी गांव पहुंचकर घाघरा नदी के तट पर स्थित बेलहा–बेहरौली तटबंध का स्थलीय निरीक्षण किया और वहां बाढ़ सुरक्षा की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को जिले में सम्भावित बाढ़ क्षेत्रों को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ को लेकर अत्यन्त संवेदनशील है। सरकार की ओर से तटबंधों की सुरक्षा के लिये सभी परियोजनायें पूर्ण कर ली गयी है।

****

सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा मामले पर सुनवाई करते हुए सीबीआई से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, यह तो स्पष्ट है। अगर परीक्षा वाले दिन ही बच्चों को पेपर मिला और उसे याद किया गया, इसका मतलब पेपर केवल स्थानीय स्तर पर ही लीक हुआ था। लेकिन अगर हमें यह पता नहीं चलता कि कितने स्टूडेंट इसमें शामिल थे, तब दोबारा परीक्षा का आदेश देना पड़ेगा। इस मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें यह भी देखना होगा कि पेपर लीक कैसे हुआ। अगर सोशल मीडिया के जरिए हुआ, इसका मतलब व्यापक पैमाने पर पेपर लीक हुआ होगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि पेपर सेटिंग की पूरी प्रक्रिया क्या होती है। प्रिंटिंग प्रेस में कैसे और किसके साथ भेजा गया। प्रेस से बैंक में कैसे भेजा गया। इससे पता लगाने में आसानी होगी कि पेपर कहां से लीक हुआ। कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक हुआ है, इसमें दो राय नहीं है। अब यह देखना है कि यह कैसे हुआ है और कितना हुआ है।

चीफ जस्टिस ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि अगर परीक्षा कैंसल नहीं होती तो धांधली से पास हुए स्टूडेंट्स को कैसे चिन्हित करेंगे। चीफ जस्टिस ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि आप सरकार से पूछ कर बताइए क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग में डेटा एनालिटिक्स प्रोग्राम के माध्यम से सच पता नहीं लगा सकते हैं क्योंकि हमें यह पहचानना है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है। क्या गलत करने वालों की पहचान संभव है। उस स्थिति में केवल उन छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा का आदेश दिया जा सकता है।

****

प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा के संबंध में सलाह जारी कर हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाई है। सरकार की सलाह के अनुसार, बाइस जुलाई से शुरू होकर उन्नीस अगस्त तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और धार्मिक गाने तय सीमा के भीतर बजाए जाएंगे। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि यात्रा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यात्रा शुरू होने वाले मार्गों पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके अलावा इक्कीस जुलाई की मध्यरात्रि से दिल्ली एक्सप्रेस वे, देहरादून एक्सप्रेस वे और चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। कांवड़ियों को भाला, त्रिशूल या किसी भी तरह का हथियार लेकर न चलने की सलाह दी गयी है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर डीजे बजाने पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, लेकिन ध्वनि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार तय सीमा के भीतर होनी चाहिए। यात्रा मार्गों पर शराब और मांस की दुकानें बंद रहेंगी।

****

प्रदेश सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत प्रदेश के नौ सौ अड़तालीस विरासत वृक्षों को संरक्षित करेगी। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र पर स्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के अट्ठाइस प्रजातियों के पेड़ों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील. कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल के पेड़ शामिल हैं। इसमें बरगद प्रजाति के तीन सौ तिरसठ और पीपल प्रजाति के चार सौ बाइस वृक्ष हैं। यह वृक्ष प्रदेश के सभी पचहत्तर जनपदों में हैं। काशी में सर्वाधिक निन्यानबे विरासत वृक्ष हैं।

इसके साथ ही वृक्षारोपण जन अभियान–दो हजार चौबीस के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्यारह जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। यह वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट व मिर्जापुर में तैयार होगी।

****

नीति आयोग की ओर से चलाए जा रहे सम्पूर्णता अभियान के तहत कल भदोही के आकांक्षी ब्लॉक औराई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि ब्लॉक में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिये सौ दिनों तक अभियान चलेगा। वहीं चन्दौली के आकांक्षी विकास खण्ड चहनियां और फर्रूखाबाद के आकांक्षी विकास खण्ड राजेपुर में कल सम्पूर्णता अभियान की शुरूआत की गई।

****